

मैनेजमेंट से ज्यादा अब गवर्नेंस की जरूरत है

For Future

सेक्टर-31 के सीआईआई में एक इवेंट का आयोजन हुआ। इसमें एक्सपर्ट ने यूथ और न्यू ऐज एचआर को लेकर बात की।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

जिस तरह के बदलाव आ रहे हैं एचआर में वही चुनौती है। वास्तव में अब बिजनेस को मैपिंग की जरूरत है खास विषयों को लेकर। जैसे पहला - डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन- उसे लाने से क्या होगा। दूसरा - वर्कफोर्स की सही से प्लानिंग। तीसरा - जॉब एंप्लाइबिलिटी यानी नौकरी तो है पर स्किल नहीं, उसे कहां से लाएं। चौथा - हाईटेक और हाईटच कॉन्सेप्ट - टेक्नोलॉजी के जरिए इंसान कैसे आगे बढ़ सकता है। इन



भविष्य में यूथ को इन चीजों की जरूरत

निशांत ने बताया- भविष्य में ए आई, क्लाउड कंप्यूटिंग, इंडस्ट्रियल 4.0 जैसी कई चीजों की स्किल युवाओं को होनी चाहिए। जिस तरह के बदलाव आ रहे हैं, उसे लेकर किस तरह की चुनौतियां हैं उस बारे में जानना होगा। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वर्कफोर्स प्लानिंग, जॉब एंप्लाइबिलिटी की जॉब तो है लेकिन स्किल नहीं है। सबसे पहले जानना होगा कि उसकी जरूरत कहां है। हाई टेक या हाई टच है या नहीं।

सभी चीजों के लिए बड़ा माइंडसेट और मार्केट जरूरी है। साथ ही यह समझना होगा कि जिन चीजों पर अमल करने का सोच रहे हैं वो जरूरी कहां हैं। यह बताते हुए एचआर इंडस्ट्री की चुनौतियों का जिक्र किया एक्सपर्ट आनंद दीवान ने। वे बिल्डिंग योर लीडरशिप डिफरेंटिशाएटर (बिल्ड) ग्रुप के सीईओ हैं। वे सीआईआई दिल्ली सब

कमेटी के एचआर चेयरपर्सन निशांत सूद के साथ सेक्टर-31 के सीआईआई में एचआर समिट में पहुंचे। इसमें ट्राईसिटी से 110 कंपनीज और उससे जुड़े 170 पार्टिसिपेंट्स हिस्सा बने। इस दौरान बातचीत में नई उम्र के एचआर को लेकर बात की। आनंद ने बताया- असल में मैनेजमेंट से ज्यादा अब गवर्नेंस की जरूरत है। इसकी टीयर टू

शहरों में जरूरत ज्यादा है, क्योंकि टियर वन और मेट्रो सिटी का अपना दायरा है। हालांकि एक्सेसबिलिटी है पर रिसोर्सेज कम होने की वजह से टैलेंट पूल कम है। इसपर अवेयरनेस के चलते जोड़ने की कोशिश की है। ताकि बता सकें कि औसतन एचआर किस तरह कनेक्टिंग में मदद करते हुए ऊपर सकता है।